



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपुर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-06-2025

हाथरस(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-06-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-06-11	2025-06-12	2025-06-13	2025-06-14	2025-06-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	45.0	45.0	43.0	43.0	41.8
न्यूनतम तापमान(से.)	27.0	27.0	27.0	27.0	27.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	39	44	54	65	68
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	21	26	26	32	41
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	9	6	7	6	13
पवन दिशा (डिग्री)	317	349	29	18	108
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	1	3	2	3
चेतावनी	NA	NA	NA	NA	NA

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, पहले दिन मौसम साफ रहेगा तथा शेष दिनों में हल्के बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 41.8-45.0°C के बीच रहेगा, जो सामान्य से 4-5°C अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 27.0-27.0°C के बीच रहेगा, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम एवं न्यूनतम सीमा 39-65 तथा 21-41% के बीच रहेगी। हवा की दिशा उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम रहेगी तथा हवा की गति 6.0-13.0 किमी प्रति घंटा रहेगी, तथा हवा के झोंके सामान्य से 3-4 किमी प्रति घंटा अधिक रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों तक कोई चेतावनी नहीं है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

जायद की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई तथा खरीफ मक्का की बुवाई व धान के नर्सरी के लिए मौसम अनुकूल है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि मक्का, उर्द / मूँग की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई कर दाने को संरक्षित करें एवं खरीफ मक्का, धान के नर्सरी की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है। पशुओं को सुबह-शाम नहलायें, छायेदार स्थान पर रखें, 3-4 बार पानी पिलायें। हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशकों का छिड़काव न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मक्का, उर्द / मूँग की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई कर दाने को संरक्षित करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मक्का	खेतों की तैयारी कर मक्के की फसल की बुवाई करें। साथ ही उन्नतशील संस्तुति संकुल प्रजातियां- कंचन, गौरव,स्वेता, आजाद उत्तम एवं संकर प्रजातियां- प्रकाश,वाई -1402, बायो-9681, प्रो -316 ,डी -9144, दिकाल्ब- 7074, पीएचबी- 8144, दक्कन 115, एम.एम.एच.-133 आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था करें। मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए 20 -25 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर तथा शंकर प्रजाति 18 -20 किलोग्राम बीज / हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।
चावल	धान की नर्सरी डालने के लिए खेतों की तैयारी करें, साथ ही उन्नतशील किस्मों नरेंद्र-359 , नरेंद्र धान-2026 , नरेंद्र धान-2064 , नरेंद्र धान-2065 , नरेंद्र धान-3112, सरजू-52, सीता आदि तथा संकर किस्म- प्रो.एग्रो -6444 (2001)एराइज , प्रो.एग्रो -6201 (2001)एराइज, पी.एच.बी.-71, पायनियर -27 पी 31,27 पी 37, 28 पी 67 , आर आर एक्स -113, कावेरी -468, के.आर.एच -2 , यू.एस.-312 , आर.एच. -312, आर.एच. -1531 आदि एवं सुगंधित धान की किस्म- टाइप-3, पूसा बासमती-1, मालवीय सुगंध-105, मालवीय सुगंध-3-4 , नरेंद्र सुगंध एवं नरेंद्र ऊसर धान-1,नरेंद्र ऊसर धान-2, नरेंद्र ऊसर धान-2008 , सी.एल.आर.-10 आदि में से किसी एक किस्म के बीजों एवं खाद की व्यवस्था कर नर्सरी डालें। धान के बीजों की नर्सरी डालने के 15 दिन पूर्व खेत में हल्की सिंचाई करें ताकि खेत में निकलने वाले खरपतवार खेत तैयार करते समय नष्ट हो जाय।
मक्का	मक्के की परिपक्व भुट्टों की तुड़ाई कर तोड़े गये भुट्टों से दाने को अलग करने के पश्चात धूप में अच्छी तरह सुखाकर भंडारित करें।
काला चना	किसानों को सलाह दी जाती है कि उर्द / मूँग की परिपक्व फसलों की कटाई करने के पश्चात मड़ाई कर दाने को भूसे से अलग कर दाने को संरक्षित करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	खरीफ में बोई जाने वाली सब्जियों के पौध की नर्सरी /बुवाई करें। बैंगन, मिर्च , अगेती फूलगोभी की नर्सरी व भिन्डी, लोबिया, कद्दू, लौकी, तरोई, करेला, खीरा आदि की बुवाई का उपयुक्त समय है। जायद कद्दू, लौकी, तरोई,करेला, खीरा, ककड़ी,तरबूज, खरबूजा आदि तैयार फसलों की तुड़ाई कर बाजार भेजें। सब्जियों की फसलों में फल छेदक /पत्ती छेदक कीट की रोकथाम हेतु नीम आयल 1.5-2.0 मिली०/लीटर पानी में घोल बनाकर 3 -4 छिड़काव 8 -10 दिन के अन्तराल पर करें। सब्जियों की खड़ी फसलों में निराई - गुड़ाई करें तथा सिंचाई का कार्य 8-10 दिन के अन्तराल पर शाम के समय करें।
आम	नये बागों की रोपाई के लिए गड्डो की खुदाई करें। आम, अमरूद, नींबू बेर, अंगूर, पपीता व लीची आदि के बागों में सिंचाई का कार्य करें। आम के फलों को गिरने से बचाने के लिए बागों की सिंचाई करें अथवा एल्फा नेप्थलीन एसिटिक एसिड के 4.5 एस.एल. के 20 मिली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के फलों में कोयलिया विकार या आंतरिक सड़न रोग की रोकथाम हेतु बोरेक्स 0.8 प्रतिशत 0.8 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 2 छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह है कि पशुओं को रात में खुले में बांधें। दिन में पशुओं को छायादार स्थान पर बांधें। खुरपका-मुंहपका रोग की रोकथाम के लिए एफएमडी तथा लगड़िया बुखार की रोकथाम के लिए वीक्यू का टीका लगवाएं। पशुओं को हरा व सूखा चारा के साथ पर्याप्त मात्रा में दाना दें। पशुओं को दिन में 3-4 बार साफ व ताजा पानी अवश्य पिलाएं। गर्भवती पशुओं को ढलान वाली जगह पर न बांधें। पशुओं के पेट में कीड़ों की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का यह सबसे अच्छा समय है।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ों की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें। मुर्गियों को गर्मी से बचाव हेतु गर्मी हाउस में पर्दे, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। मुर्गियों को गर्मी से बचाने के लिए मुर्गी घर में लगे हुए जुट के पर्दों पर पानी के छींटे मारे जिससे ठंडक बनी रहे।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों तक कोई चेतावनी नहीं है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

जायद की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई तथा खरीफ मक्का की बुवाई व धान के नर्सरी के लिए मौसम अनुकूल है।
--

Farmers are advised to download Unified  "Mausam" and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>